हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनकों अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

शिक्षा मंत्री ने किये 486 लाख के निर्माण .. 8

वर्ष : 14 अंक : 306 | देहरादून,मंगलवार 08 जुलाई 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

मुख्यमंत्री धामी की पहल रंग लाई : उत्तराखंड के कृषि विकास को 3800 करोड़ की सैद्धांतिक सहमति

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून/नई दिल्ली। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अथक प्रयासों से उत्तराखंड के कृषि और बागवानी क्षेत्र को एक नई दिशा मिलने वाली है। सोमवार को नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि, ग्रामीण विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान से हुई महत्वपूर्ण भेंट के बाद, केंद्र सरकार ने राज्य की कृषि संबंधित विभिन्न योजनाओं के लिए 3800 करोड़ रुपये की सैद्धांतिक सहमति प्रदान कर दी है। इस घोषणा को राज्य के किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए एक बड़ा बूस्टर माना जा रहा है।

मुख्यमंत्री धामी ने केंद्रीय मंत्री के समक्ष उत्तराखंड के पर्वतीय और मैदानी क्षेत्रों की विशिष्ट कृषि एवं बागवानी आवश्यकताओं को विस्तार से रखा। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा किसानों की आर्थिक सुदृढ़ता के लिए तैयार की गई व्यापक योजनाओं पर प्रकाश डाला। मुख्यमंत्री ने

बताया कि इन योजनाओं में नवाचार, यंत्रीकरण, तकनीकी समावेशन और पारंपरिक कृषि को बढ़ावा देने जैसे कई अहम पहलू शामिल हैं, जिनका कुल प्रस्तावित परिव्यय लगभग 3800 करोड़ रुपये है।

कृषि एवं बागवानी क्षेत्र में प्रस्तावित प्रमुख योजनाएं

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि राज्य में जंगली जानवरों से फसलों को बचाने के लिए कृषि बाड़ निर्माण हेतु 1,052.80 करोड़ की आवश्यकता चिह्नित की गई है। इसके अतिरिक्त, लघु, सीमांत किसानों और महिलाओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से 10,000 फार्म मशीनरी बैंक स्थापित करने के लिए 400 करोड़ की योजना प्रस्तावित है। राज्य सरकार पारंपरिक पोषक फसलों को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है। इसी कड़ी में, स्टेट मिलेट मिशन के अंतर्गत 34.89 करोड़ का प्रावधान किया गया है। बीज उत्पादन में आत्मनिर्भरता हासिल करने और

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

ब्यूरोक्रेसी राज्य की अर्थिकी की रीढ़, धैर्य और संयम से कार्य ले कांग्रेस : भट्ट

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने कहा कि किसी भी राज्य मे नौकरशाह आर्थिकी की रीढ़ होते हैं और इसे लेकर संशय की स्थिति नही होनी चाहिए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए भट्ट ने कहा कि सीएम धामी और भाजपा सरकार मे कुछ भी कृत्रिम नही, बल्कि वास्तविकता है। सीएम खेत बचपन से जोतते रहे हैं और उनके पुरखे भी खेती किसानी से जुड़े हैं। हां यह कांग्रेस के लिए जरूर मंथन का सवाल है कि किसानों के सहारे राजनीति करने वाली कांग्रेस खेती किसानी से हमेशा दूर रही। उन्होंने कहा कि पूर्व सीएम ने हमेशा ब्यूरोक्रेसी को नजरंदाज किया और सभी नेता खुद अवैध कमाई मे लग गए। पकड़े गए और आज मुकदमा झेल रहे हैं। बयूरोक्रेसी का काम ही राज्य का खजाना भरना है और ब्यूरोक्रेसी ने खनन से राज्य का खजाना भरा है। ब्यूरोक्रेसी ने आबकारी और त्रस्ञ्ज संग्रह को बढ़ा कर राज्य का खजाना भरा तो चौबीस हज़ार सरकारी नौकरियां देकर बेरोजगारों की झोली भरने का काम किया है। 40 से ज़्यादा नई नीतियाँ बनाकर सरकार ने पर्यटन,ऊर्जा,उद्योग,कृषि आदि क्षेत्रों में जनोन्मुखी निर्णय किये हैं जिससे आमजन को स्वरोजगार और रोजगार मिल रहा है।जनता जनार्दन की आय बढ़ाकर सरकार ने उनका खजाना भरने का कार्य किया है। राज्य की महिलाओं को सरकारी नौकरियों में तीस प्रतिशत आरक्षण देकर,राज्य आंदोलनकारियों को और उनके आश्रितों को सरकारी नौकरियों में आरक्षण देकर उनकी भावनाओं का सम्मान किया है। कठोर भू क़ानून लागू कर के राज्य की भूमि की अनियंत्रित खरीद फरोख्त को रोका है।हजारों बीघा जमीन राज्य सरकार में निहित कर के राज्य का खजाना भरा है।

भट्ट ने कहा कि ब्यूरोक्रेसी ने वन विभाग की छ- हज़ार एकड़ से ज़्यादा जमीन अतिक्रमण मुक्त करा के राज्य के पक्ष में राज्य का खजाना भरा है। एक लाख करोड़ के निवेश क़रारों को धरातल पर उतार का राज्य का खजाना भरने का काम सरकार ने किया है। राज्य के विकास मे ब्यूरोक्रेसी के योगदान को नकारना खुद की विफलता से मुँह फेरने जैसा है और कांग्रेस को अपनी सोच बदलने की जरूरत हा।

निष्क्रिय राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग का नोटिस

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तराखंड में बीते छह साल से निष्क्रिय छह पंजीकृत राजनैतिक दलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। ये सभी वे दल हैं जिन्होंने वर्ष 2019 से अब तक छह वर्षों में एक भी चुनाव में प्रतिभाग नहीं किया है और जिनके कार्यालयों का कोई भौतिक पता भी नहीं मिल पाया है। दलों को इस नोटिस का जवाब 21 जुलाई शाम पांच बजे तक कर दिया है। आयोग के निर्देशानुसार उत्तराखंड में वर्तमान में 42 पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों में से कई दल ऐसे हैं जो पंजीकृत अमान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों (आर यू पी पी) में बने रहने की आवश्यक शर्तों को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इस संबंध में उत्तराखंड के छह ऐसे दलों की पहचान की गई है। इन दलों की अंतिम डीलिस्टिंग का निर्णय भारत निर्वाचन आयोग द्वारा लिया जाएगा। देश में राजनैतिक दलों का पंजीकरण लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 29ए के तहत निर्वाचन आयोग द्वारा किया जाता है। भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य इस पूरे अभ्यास में राजनैतिक व्यवस्था का शुद्धिकरण एवं चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री धामी ने 20 नई वातानुकूलित 'यूटीसी मिनी' को दिखाई हरी झंडी: देहरादून-मसूरी और हल्द्वानी-नैनीताल रूटों पर मिलेगी जाम से राहत

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी ने आज मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय से उत्तराखंड परिवहन निगम द्वारा संचालित 20 नई वातानुकूलित %यूटीसी मिनी% (टैम्पो ट्रेवलर) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में से 10 देहरादून-मसूरी मार्ग पर और शेष 10 हल्द्वानी-नैनीताल मार्ग पर यात्रियों को सुविधा प्रदान करेंगी। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि इन नई सेवाओं से नैनीताल-हल्द्वानी और देहरादून-मसूरी के बीच बढ़ती यातायात जाम की समस्या में कमी आएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि यदि यह पहल सफल रहती है, तो भविष्य में ऐसी और सेवाओं का विस्तार किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने स्वयं भी कैम्प कार्यालय से जीटीसी हेलीपैड तक टैम्पो ट्रेवलर में सफर का अनुभव लिया।

मुख्यमंत्री ने इस पहल को राज्य के परिवहन तंत्र को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि ये वातानुकूलित टैम्पो ट्रैवलर यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और किफायती यात्रा का अनुभव प्रदान करेंगे, जिससे प्रदेश की आर्थिक और पर्यटन गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जोर दिया कि सरकार का लक्ष्य राज्य के हर क्षेत्र को बेहतर सड़क नेटवर्क और विश्वसनीय परिवहन सेवाओं से जोड़ना है। उन्होंने डिजिटल टिकटिंग, ऑनलाइन बुकिंग और ट्रैकिंग सिस्टम जैसी आधुनिक सेवाओं का उल्लेख किया, जो परिवहन विभाग द्वारा जनता को सुलभ यात्रा के लिए उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड परिवहन निगम को मजबूत बनाने की दिशा में किए जा रहे निरंतर कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, परिवहन निगम लगातार तीन वर्षों से मुनाफे में है। उन्होंने यह भी घोषणा की कि जल्द ही निगम के बस बेड़े में इलेक्ट्रिक बसों को भी शामिल किया जाएगा, जिसके लिए खरीद प्रक्रिया तेजी से चल रही है।

कर्मचारियों और चालक-परिचालकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने डीए बढ़ोतरी, 7वें वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने और निगम में भर्तियों के माध्यम से मानव संसाधन बढ़ाने जैसे कदमों का जिक्र किया।

इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद नरेश बंसल, प्रमुख सचिव एवं उत्तराखंड परिवहन निगम के अध्यक्ष एल. फैनई, एमडी परिवहन निगम रीना जोशी और परिवहन विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

बराबरी का सम्मान

सरकार ने महिलाओं के लिए नियम–कायदे और कानून तो बहुत सारे बना रखें हैं किन्तु उन पर हिंसा और अत्याचार के आंकड़ों में अभी तक कोई कमी नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र वाली 70 फीसदी महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा का शिकार होती हैं। इनमें कामकाजी व घरेलू महिलायें भी शामिल हैं। देशभर में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के लगभग डेढ़ लाख मामले सालाना दर्ज किए जाते हैं, जबकि इसके कई गुणा अधिक मामले दबकर रह जाते हैं।घरेलू हिंसा अधिनियम देश का पहला ऐसा कानून है जो महिलाओं को उनके घर में सम्मानपूर्वक रहने का अधिकार सुनिश्चित करता है। इस कानून में महिलाओं को सिर्फ शारीरिक हिंसा से ही नहीं बल्कि मानसिक, आर्थिक एवं यौन हिंसा से बचाव करने का अधिकार भी शामिल है। भारत में लिंगानुपात की स्थिति भी अच्छी नहीं मानी जा सकती है। लिंगानुपात के वैश्विक औसत 990 के मुकाबले भारत में 941 ही है। हमें भारत में लिंगानुपात सुधारने की दिशा में विशेष काम करना होगा ताकि लिंगानुपात की खराब स्थिति को बेहतर बनायी जा सके। दुख की बात यह है कि नारी सशक्तिकरण की बातें और योजनाएं केवल शहरों तक ही सिमटकर रह गई हैं। एक ओर शहरों में रहने वाली महिलाएं शिक्षित, आर्थिक रुप से स्वतंत्र हैं जो पुरुषों के अत्याचारों का मुकाबला करने में सक्षम है। वहीं, दूसरी तरफ गांवों में रहने वाली महिलाओं को तो अपने अधिकारो का भी पूरा ज्ञान नहीं हैं। वे चुपचाप अत्याचारों को सहती रहती है और सामाजिक बंधनों में इस कदर जकड़ी है कि वहां से निकल नहीं सकती हैं।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई 2025-पुतिन व शी ज़िनपिंग की गैर मौजूदगी- भारतीय पीएम का आगाज़ ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंडों का हो रहा है शिकार

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

गोंदिया – वैश्विक स्तरपर पूरी दुनियाँ परंतु विशेष रूप से यूरोप व विकसित देशों को ब्रिक्स देशों के अति महत्वपूर्ण व संभाव्य रुतबे का ज़रूर एहसास होगा, क्योंकि यह पहले 7 देशों का परिवार था,जो अभी बढ़कर 11 हो चुके हैं और भविष्य में 30 तक जाने की संभावना है,इन मजबूत देशों को किसी वैश्विक निर्णायक मोड टेबल पर स्थान नहीं दिया गया है,जबकि दुनियाँ को 42 पर्सेंट आबादी से अधिक, जीडीपी में 23 परसेंट, व्यय में 17 परसेंट, वैश्विक विकास, व्यापार व निवेश में बहुत बड़ा योगदान है, वैश्विक गरीबी से लड़ने में महत्वपूर्ण सहयोग व तेल गैस प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर 11 देशों का व्यापार अमेरिकी डॉलर से होता है जो एक मुद्दा बना कि ब्रिक्स देशों को अल्टरनेटिव करेंसी के रूप में लाया जाएगा,जिसपर फरवरी 2025 में ट्रंप ने कहा था कि अगर डॉलर से छेड़छाड़ की गई तो 100 से 500 परसेंट तक टैरिफ लगा दिया जाएगा। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र, यह मानता हूं कि इस बार ब्राजील में हो रहे 17 वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन कुछ फ़ीका सा लग रहा है, क्योंकि इसमें रूस के राष्ट्रपति पुतिन चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग व ईरानी राष्ट्रपति हाजिर नहीं हुए हैं, जो शायद ब्रिक्स के जीवनकाल में पहली बार हो रहा है, कई और नेताओं के न आने के कारण ब्राज़ील और लेटिन अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों में रियो डी जेनेरियो में हो रही इस बैठक को कम भागीदारी वाली% और यहां तक कि %खाली% बताया जा रहा है,ब्राज़ीलमीडिया रिपोर्टों के मुताबिक़, ब्रिक्स के एक और अहम नए सदस्य मिस्र के राष्ट्रपति भी बैठक में मौजूद नहीं होंगे ब्रिक्स के मुख्य सदस्य देशों में से भारत के पीएम और दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति के साथ नए सदस्य इंडोनेशिया के राष्ट्रपति इस बैठक में व्यक्तिगत रूप से शामिल हुए हैं,हालांकि, ब्राज़ील और अन्य क्षेत्रीय विश्लेषकों का मानना है कि इतने नेताओं के न आने से वामपंथी मेज़बान लूला डि सिल्वा की खुद को अंतरराष्ट्रीय नेता के तौर पर स्थापित करने की कोशिश प्रभावित हो सकती है।दरअसल, ब्रिक्स देशों के बीच खुद भी मतभेद हैं, जहां चीन और रूस अमेरिका विरोधी सख्त रुख अपनाते हैं, वहीं भारत और ब्राजील संतुलित रुख के पक्षधर हैं, इस साल सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे ब्राजील के राष्ट्रपति की कोशिश है कि एआई, जलवायु परिवर्तन और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर केंद्रित रहकर सम्मेलन को राजनीतिक विवादों से दूर रखा जाए, ट्रंप की अमेरिका में सत्ता में वापसी के बाद ब्राजील नहीं चाहता कि वह किसी भी तरह के अमेरिकी प्रतिबंधों का निशाना बने।ब्रिक्स नेताओं,नें यह चेतावनी भी दी कि अमेरिकी राष्ट्रपति के 卐अंधाधुंध卐 आयात शुल्क से वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचने का खतरा है।अंतिम शिखर सम्मेलन के वक्तव्य के अनुसार, ब्रिक्स नेताओं ने 卐एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों के बढ़ने पर गंभीर चिंता व्यक्त की,卐तथा चेतावनी दी कि ये अवैध और मनमाने हैं।चूँकि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन व शी जिनपिंग की गैर मौजूदगी व भारतीय पीएम का आगाज़, ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंड का हो रहा है शिकार, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे ग्लोबल साउथ को वैश्विक संस्थाओं की निर्णय टेबल पर प्रतिनिधित्व नहीं देना जैसे मोबाइल में सिम तो है, पर नेटवर्क नहीं सटीक कटाक्ष है।

साथियों बातअगर हम एक ऐसे ब्रिक्स की परिकल्पना करने की करें जो कुछ परिणाम देगा,तो उनमें से, जलवायु परिवर्तन वित्तपोषण,कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वित्तपोषण और विनियमन पर एक समर्पित घोषणा, और सामाजिक रूप से निर्धारित बीमारियों पर साझेदारी,वे बीमारियाँ जिन्हें हम गरीबी की स्थिति से जोड़ते हैं। पहले सत्र के अलावा, रियो ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के सभी सत्र भागीदार देशों और आमंत्रित देशों के लिए खुले रहेंगे। यह मानवता की बड़ी चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए मंच में पारदर्शिता और समावेशिता का एक प्रयास है। एक स्पष्ट संकेत यह है कि 30 से अधिक देशों ने ब्रिक्स में शामिल होने में रुचि व्यक्त की है। यह बहुत कुछ कहता है।अमेरिकी राष्ट्रपति ने धमकी दी है कि अगर ब्रिक्स डी-डॉलराइजेशन की ओर बढ़ता है तो वे उसके खिलाफ 100-500 पेर्सेंट टैरिफ लगा देंगे। ऐसा कोई प्रस्ताव या चर्चा सम्मेलन में नहीं होने की संभावना है।

साथियों बात अगर हम ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2025 मेंरविवार 6 जुलाई 2025 को देर शाम भारतीय पीएम के संबोधन की करें तो,उन्होंने कहा, %ग्लोबल साउथ अक्सर दोहरे मानदंडों का शिकार रहा है। चाहे विकास की बात हो, संसाधनों के वितरण की बात हो या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों की, ग्लोबल साउथ के हितों को प्राथमिकता नहीं दी गई है। जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच जैसे मुद्दों पर ग्लोबल साउथ को अक्सर सिर्फ औपचारिक इशारे ही मिले हैं% ।आगे कहा %20वीं सदी में बनी वैश्विक संस्थाएं 21वीं सदी की चुनौतियों से निपटने में असमर्थ हैं। चाहे दुनियाँ के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे संघर्ष हों, महामारी हो, आर्थिक संकट हो या साइबरस्पेस में नई उभरती चुनौतियां हों, इन संस्थाओं के पास कोई समाधान नहीं है% ।आगे कहा %एआई के युग में, जहां हर हफ्ते तकनीक अपडेट होती है, यह स्वीकार्य नहीं है कि कोई वैश्विक संस्थान 80 साल में एक बार भी अपडेट न हो। 20वीं सदी के टाइपराइटर 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर को नहीं चला सकते%। 20वीं सदी में गठित वैश्विक संस्थाओं में मानवता के दो तिहाई हिस्से को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था में अहम योगदान देने वाले देशों को निर्णय लेने वाली मेज पर जगह नहीं दी गई है। यह सिर्फ प्रतिनिधित्व का सवाल नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता और प्रभावशीलता का भी सवाल है। इसी बात को आगे बढ़ाते हुए एआई का भी जिक्र किया।अंत में एक बड़ा संदेश देते हुए कहा कि आज दुनिया को एक नई, बहुध्रुवीय और समावेशी विश्व व्यवस्था की जरूरत है। इसकी शुरुआत वैश्विक संस्थाओं में व्यापक सुधारों से करनी होगी। सुधार केवल प्रतीकात्मक नहीं होने चाहिए, बल्कि उनका वास्तविक प्रभाव भी दिखना चाहिए। ग्लोबल साउथ को जलवायु वित्त, सतत विकास और प्रौद्योगिकी पहुंच पर सिर्फ दिखावटी चीजें मिली हैं।विकास, संसाधनों के वितरण या सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर ग्लोबल साउथ के साथ दोहरा मापदंड अपनाया गया है।卐ब्रिक्स का विस्तार और नए दोस्तों का जुड़ना इस बात का प्रमाण है कि ब्रिक्स एक ऐसा संगठन है जो समय के अनुसार खुद को बदल सकता है। अब, हमें यूएन सुरक्षा परिषद, डब्लूएचओ और बहुपक्षीय विकास बैंकों जैसे संस्थानों में सुधार के लिए भी ऐसी ही इच्छाशक्ति दिखानी होगी। ब्रिक्स ने खुद को बदला है और नए देशों को शामिल किया है। अब हमें यूएन सिक्योरिटी कौंसिल, डब्लूटीओ और मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक्स जैसे संगठनों में भी बदलाव करने होंगे। हमें इन संगठनों को और बेहतर बनाने के लिए काम करना होगा। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विशेषण करें तो हम पाएंगे किब्रिक्स शिखर सम्मेलन 6-7 जुलाई 2025- पुतिन व शी ज़िनपिंग की गैर मौजूदगी- भारतीय पीएम का आगाज़ ग्लोबल साउथ दोहरे मापदंडों का हो रहा है शिकारवैश्विक संस्थाओं क़ा एआई युग में 80 साल में एक बार भी संशोधित नहीं होना, 20वीं सदी के टाईपराइटर क़ाम बनाम 21वीं सदी के सॉफ्टवेयर ग्लोबल साउथ को वैश्विक संस्थाओं की निर्णय टेबल पर प्रतिनिधित्व नहीं देना, जैसे मोबाइल में सिम तो है पर नेटवर्क नहीं, सटीक कटाक्ष हैँ।

लोकरत्न हिमालय सम्मान से सम्मानित हुए देहरादून डीएम सविन बंसल

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । असाधारण निर्णयों एवं उत्कृष्ट कार्यशैली के लिए देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल को लोकरत्न हिमालय सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें पारम्परिक पर्वतीय वाद्य यंत्र रणसिंघा व ढोल दमाऊ का प्रतीक चिन्ह, अभिनन्दन पत्र तथा शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह सम्मान पर्वतीय बिगुल सामाजिक सांस्कृतिक संस्था द्वारा अपने 29 वें स्थापना दिवस पर प्रदान किया गया । पदमश्री प्रीतम भरतवाण, गायिका मीना राणा, राज्य आन्दोलनकारियों समेत अनेक प्रतिष्ठित लोगों के हाथों से जिलाधिकारी को सम्मान प्रदान किया गया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने लोक गीतों से समां बांध दिया। सम्मान ग्रहण करने पर जिलाधिकारी श्री बंसल ने सम्मान के लिए संस्था और उत्तराखण्ड की जनता का धन्यवाद किया। कहा कि सम्मान कार्य के प्रति अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बनाता है। जिलाधिकारी के कार्यक्रम स्थल पर आगमन पर ढोल दमाऊ से उनका स्वागत किया गया ।

उल्लेखनीय है कि 1997 से प्रारम्भ किए सम्मान के तहत संस्था अब तक लोकसेवा, संस्कृति, शिक्षा एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए अनेक विभूतियों को सम्मान प्रदान करती आ रही है। संस्था अब तक अंग्रेजी के प्रसिद्ध उपन्यासकार रस्किन बॉड, लोक गायक नरेन्द्र सिंह नेगी, जागर सम्राट प्रीतम भरतवान, प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी के पिता शिक्षविद्ध एवं साहित्यकार हरिदत्त भट्ट शैलेश समेत पर्यावरण, लोकसेवा एवं सामाजिक कार्यों के लिए सम्मान दे चुकी है। दून पुस्तकालय के प्रेक्षागृह में आयाजित समारोह में उक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष एवं प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक प्रदीप भण्डारी ने यहाँ अपने सम्बोधन में दी। उन्होनें बताया कि देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने कार्यभार संभालते ही दिन रात सक्रिय रहकर स्वास्थ्य केन्द्रों की कार्यशैली में सुधार करना हो. भिक्षावृत्ती मुक्ति अभियान चलाकर 132 बच्चों को भिक्षावृत्ती से हटाकर उन्हें स्कूल भेजकर नया जीवन प्रदान करना हो, फरियादी बुजर्गों और दिव्यांगों के लिए नि:शुल्क सारथी वाहन सेवा शुरू करना हो. दशकों से पीड़ित अनेक भूमि मालिकों को उनका हक दिलाना, कई साल उत्पीडित एक विधवा के घर को बैंक के बंधन से 3 दिन में मुक्ति दिलाना हो, आईएसबीटी में असंभावी जलभराव का समाधान करना हो, सम्मान देकर राज्य निर्माण आन्दोलनकारियों के हक के लिए कार्य करना हो, वृद्ध महिला एवं सामान्य नागरिक को अभिवादन के साथ पहले सुनना आदि उनके ऐसे दर्जनों असाधारण निर्णय एव उत्तकृष्ट कार्य आज जनता के सम्मुख हैं। राज्य की जनता, आन्दोलनकारियों और शहीदों ने भी ऐसे अधिकारियों की कल्पना की थी।

लोकरत्न हिमालय सम्मान से सम्मानित किए जाने पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने पर्वतीय बिगुल सामाजिक सांस्कृतिक संस्था का आभार व्यक्त किया। डीएम ने कहा कि मै इतने बडे सम्मान का ऋण कैसे चुकाऊंगा, यह मै नही जानता। परंतु यह सम्मान मेरे लिए एक उपलब्धि नहीं, बल्कि आपकी अपेक्षाओं पर खरा उतरने की जिम्मेदारी है। जिलाधिकारी ने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री की प्रेरणा और मार्गदर्शन से मुझे जन सेवा का अवसर मिला है। उन्होंने इस सम्मान को उन सब प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों, मीडिया प्रतिनिधियों और सामाजिक संस्थाओं को समर्पित किया, जो निरंतर सम्मरपर्ण भाव से जन सेवा के प्रतिबद्धता के साथ काम करते है।

जिलाधिकारी ने कहा कि जनता का परिवार, परिवार के सदस्य और समुदाय के बुजुर्ग होते है। उनके साथ हमारा उठना बैठना और समय बिताना कम होता जा रहा है। इसके चलते जितने भी सामाजिक विकार है वो आज तेजी से अपनी जगह बनाते जा रहे है। उन्होंने बच्चों को अपनी लोकल संस्कृतिक से जोड़ने की बात कही। कहा कि लोकल संस्कृति ही किसी बच्चे के व्यक्तित्व और जीवन को प्रभावित करती है और उसे सशक्त बनाने में मदद करती है।

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पदमश्री प्रीतम भरतवाण, प्रसिद्ध गायिका मीना राणा, राज्य आन्दोलनकारी मंच के अध्यक्ष जगमोहन नेगी व प्रदीप कुकरेती, उत्तरांचल प्रेस क्लब के अध्यक्ष भूपेन्द्र कण्डारी व शूरवीर भण्डारी आदि ने जिलाधिकारी के कार्यों की सराहना की तथा उन्हें सम्मानित होने पर बधाई दी। इससे पूर्व नवोदित लोक गायिका मीना आर्य तथा हेमंत बुटोला की टीम ने अनेक पारम्परिक लोकगीत प्रस्तुति देकर प्रेक्षागृह में शानदार सांस्कृतिक छटा बिखेरी। प्रेक्षागृह जिले के अनेक गणमान्य नागरिकों एवं संस्था प्रमुखों से खचाखच भरा रहा । कार्यक्रम का संचालन मोहसिन अहमद तन्हा व रवि सिंह द्वारा किया गया ।

उत्तराखंड : धामी सरकार के 4 साल पर कांग्रेस का तीखा हमला, विफलताओं पर 'खिताब' दिए

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष करण माहरा ने आज देहरादून में एक पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के चार साल के कार्यकाल पर जमकर निशाना साधा। माहरा ने धामी सरकार की कथित नाकामियों, जन-विरोधी नीतियों और देवभूमि की अस्मिता पर हुए प्रहारों के लिए कई 'खिताब' दिए।

करण माहरा ने कहा कि धामी सरकार को "राज्य में बेरोजगारी और पलायन का खिताब", "महिला अपराधों में उत्तराखंड को अव्वल राज्य बनाने का खिताब", "चारधाम यात्रा में सर्वाधिक तीर्थ यात्रियों की मृत्यु का खिताब" और "सड़क दुर्घटनाओं में सर्वाधिक मौतों का खिताब" दिया जाना चाहिए। उन्होंने अपनी ही सरकार द्वारा लागू किए गए यूसीसी के उल्लंघन, महिला उत्पीड़न में भाजपा नेताओं की संलिप्तता, केदारनाथ धाम की मर्यादा भंग करने और खनन-भू माफिया को संरक्षण देने का भी आरोप लगाया।

कांग्रेस अध्यक्ष ने भर्ती घोटालों, उपनल, आशा, आंगनवाड़ी कर्मियों की अनदेखी, घटिया सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार, मलिन बस्तियों को उजाड़ने और निकाय व पंचायत चुनावों में धांधली का भी जिक्र किया। उन्होंने धामी सरकार पर धार्मिक सद्भावना तोड़ने और धार्मिक ध्रुवीकरण का प्रयास करने का आरोप लगाया। स्वास्थ्य और शिक्षा व्यवस्था की बदहाली पर भी चिंता व्यक्त की गई।

माहरा ने भाजपा महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष अनामिका शर्मा प्रकरण को दबाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की और कहा कि यह मामला अंकिता भंडारी हत्याकांड की तरह ही सच्चाई को छुपाने का प्रयास है। पत्रकार वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष संगठन सूर्यकांत धस्माना, प्रदेश महामंत्री नवीन जोशी, प्रवक्ता शीशपाल सिंह बिष्ट और सोशल मीडिया सलाहकार अमरजीत सिंह भी उपस्थित थे।

चारधाम यात्रा मार्ग पर लैंडस्लाइड के कारण हो रही मुश्किलें

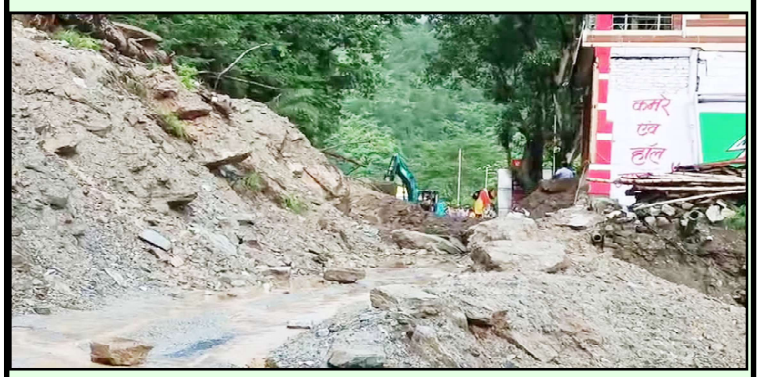

रुद्रप्रयाग, इंडिया वार्ता ब्यूरो। पहाड़ों में बारिश जारी है। बारिश के कारण अलकनंदा और मंदाकिनी नदी विकराल रूप धारण करके बह रही है। बदरीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर भी जगह-जगह बोल्डर व मलबा गिर रहा है, जिस कारण चारधाम यात्रियों को भी परेशानियां हो रही हैं। केदारनाथ हाईवे के मुनकटिया में पहाड़ी से भारी मात्रा में मलबा और बोल्डर आने से मार्ग बंद हो गया था। इससे केदारनाथ धाम जाने वाले श्रद्धालुओं को सोनप्रयाग में ही रोका गया। कड़ी मशक्कत के बाद मार्ग को पैदल यात्रियों और शटल के लिए खोला गया। वहीं बदरीनाथ हाईवे सिरोबगड़ में बंद पड़ा था। इसे भी युद्ध स्तर पर काम करके खोला गया है। राजमार्गों को खोलने को लेकर एनएच विभाग की मशीनें जुटी रहीं। बारिश इसी प्रकार होती रही तो दिक्कतें अधिक बढ़ सकती हैं। मौसम विभाग ने दो दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है और बारिश के अलावा भूस्खलन की चेतावनी भी जारी की है। पहाड़ों में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित होती दिखाई दे रही है और लगातार कल रात से बारिश जारी है। केदारनाथ धाम सहित रुद्रप्रयाग जनपद में बारिश के कारण हालात अस्तव्यस्त हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा व मंदाकिनी नदी उफान पर बह रही हैं। रुद्रप्रयाग स्थित संगम स्थल का निचला हिस्सा भी पूरी तरीके से जलमग्न हो गया है। मौसम विभाग ने दो दिन तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है और बारिश के अलावा भूस्खलन की चेतावनी भी जारी की है। पहाड़ों में मौसम विभाग की भविष्यवाणी सच साबित होती दिखाई दे रही है और लगातार बीती रात से बारिश जारी है। केदारनाथ धाम सहित रुद्रप्रयाग जनपद में बारिश के कारण हालात अस्तव्यस्त हैं। लगातार हो रही बारिश के कारण अलकनंदा व मंदाकिनी नदी उफान पर बह रही हैं। रुद्रप्रयाग स्थित संगम स्थल का निचला हिस्सा भी पूरी तरीके से जलमग्न हो गया है।

राजनीति में 'चेहरे पे कई चेहरे', पर प्रो. सांवरलाल जाट ऐसे नहीं थे : वसुंधरा राजे

सिरोंज ,एंजेंसी। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने एक बार फिर भारतीय राजनीति की बदलती प्रकृति पर तीखा कटाक्ष किया है। उन्होंने रविवार को अजमेर जिले के सिरोंज गांव में आयोजित एक कार्यक्रम में दिवंगत नेता प्रो. सांवरलाल जाट की मूर्ति के अनावरण के दौरान उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सियासत के बदलते चेहरे को कठघरे में खड़ा किया। वसुंधरा राजे ने कार्यक्रम के बाद अपने एक्स (पूर्व ट्विटर) अकाउंट पर अपने दिल की बात साझा करते हुए लिखा—मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं। आजकल राजनीति में लोग नई दुनिया बसा लेते हैं, एक चेहरे पे कई चेहरे लगा लेते हैं। पर प्रो. सांवर लाल जाट ऐसे नहीं थे। वे मरते दम तक मेरे साथ थे। राजे ने इस दौरान पूर्व उपराष्ट्रपति स्व. भैरोंसिंह शेखावत, स्व. प्रो. सांवरलाल जाट और स्व. डॉ. दिगंबर सिंह को याद करते हुए कहा कि इन तीनों नेताओं के जाने से राजस्थान की राजनीति और व्यक्तिगत रूप से उन्हें अपूरणीय क्षति हुई है। ये तीनों नेता मेरी मदद के लिए हमेशा तत्पर रहते थे। प्रो. जाट मेरे जैसे ही स्व. भैरोंसिंह शेखावत जी की राजनीतिक पाठशाला के छात्र थे।

अनिच्छा से लड़ी थी लोकसभा की लड़ाई, पर जीते

वसुंधरा राजे ने खुलासा किया कि अजमेर से सांसद बनने के पीछे प्रो. जाट की व्यक्तिगत इच्छा नहीं थी। अजमेर लोकसभा चुनाव लड़ने की उनकी इच्छा नहीं थी, लेकिन अनुशासित सिपाही की तरह पार्टी का आदेश मानते हुए उन्होंने चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। उन्होंने यह भी याद किया कि यदि प्रो. जाट 2018 में जीवित होते, तो किसानों के लिए किए गए ऋण माफी जैसे कार्यों पर उन्हें बेहद संतोष होता।

बीसलपुर से लेकर चंबल तक था प्रो. जाट का सपना

राजे ने बताया कि अजमेर में बीसलपुर परियोजना का पानी पहुँचाने का श्रेय सीधे तौर पर प्रो. जाट को जाता है। उनकी इच्छा थी कि चंबल बेसिन का पानी बीसलपुर बांध में डाला जाए। हमने 2018 में श्वक्रष्टक्क (ईस्टर्न राजस्थान कैनाल प्रोजेक्ट) की शुरुआत की थी, जिससे उनका सपना साकार हो सके। उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं प्रो. जाट के निधन को भाजपा और राष्ट्र के लिए बड़ी क्षति करार दिया था।

रामस्वरूप लांबा को बताया उत्तराधिकारी

वसुंधरा राजे ने इस अवसर पर प्रो. जाट के पुत्र और वर्तमान विधायक रामस्वरूप लांबा की तारीफ करते हुए कहा कि वे अपने पिता की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं और क्षेत्र की सेवा में लगे हुए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि रामस्वरूप लांबा प्रो. जाट की तरह पार्टी और जनता के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे।

राजनीति में मूल्य और विश्वास की बात

वसुंधरा राजे के इस बयान को विश्लेषक राजनीति के बदलते मूल्यों और वफादारी की कमी की ओर इशारा मान रहे हैं। यह पहला मौका नहीं है जब राजे ने सार्वजनिक मंच से इस तरह की टिप्पणी की हो। बीते वर्षों में उन्होंने कई बार अप्रत्यक्ष रूप से पार्टी के भीतर और बाहर बदलती राजनीतिक चालों पर सवाल उठाए हैं।

राजे की पोस्ट में यह भाव विशेष रूप से गूंजता है- मौसम और इंसान कब बदल जाए कोई भरोसा नहीं...

यह पंक्ति आज की राजनीति में विश्वास और निष्ठा की गिरती हुई स्थिति का प्रतीक बन गई है। साथ ही, यह दिवंगत प्रो. सांवरलाल जाट जैसे नेताओं के समर्पण और ईमानदारी की विरासत को भी उजागर करती है।

विकसित बिहार की दिशा में महत्वपूर्ण होगा मोतिहारी में पीएम मोदी का दौरा : दिलीप जायसवाल

पटना ,एंजेंसी। बिहार भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मोतिहारी जिले का दौरा करेंगे। यह उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद बिहार का 53वां दौरा होगा।

उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री का हर दौरा बिहार के लिए विशेष होता है और इस बार भी वे विकास के लिए नई सौगात लेकर आएंगे। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री का आना बिहार के लिए शुभ है। यह विकसित बिहार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 18 जुलाई को बिहार के मोतिहारी जिले का दौरा करेंगे। यह उनके प्रधानमंत्री बनने के बाद बिहार का 53वां दौरा होगा। यह दौरा विकसित बिहार के लक्ष्य को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण होगा। हर बार की तरह इस बार भी पीएम मोदी बिहार के लिए नई सौगात लाएंगे, जो राज्य के विकास को गति देगी।

वहीं, उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का मतदाता सत्यापन कार्यक्रम सुचारू रूप से चल रहा है और इसमें किसी भी मतदाता को कोई परेशानी नहीं हो रही है। उन्होंने विपक्ष से अनुरोध किया कि जनता की समस्याओं को पक्ष और विपक्ष मिलकर हल करें।

दिलीप जायसवाल ने कहा, यदि मतदाताओं को कोई दिक्कत होगी, तो हम सभी मिलकर चुनाव आयोग से बात करेंगे, लेकिन जब सब कुछ ठीक चल रहा है, तो बंद या विरोध उचित नहीं है।

साथ ही, उन्होंने कहा कि बिहार सरकार और पुलिस विभाग अपराध रोकने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। हम यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि बिहार में कोई भी कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने की हिम्मत नहीं जुटा सके और अगर कोई ऐसा करेगा, तो निश्चित तौर पर उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। कानून अपना काम कर रहा है और गृह विभाग पूरी तत्परता से विधि के शासन का नियंत्रण स्थापित करने में जुटा है।

दिलीप जायसवाल ने बिहार के विकास और जनता की समस्याओं के समाधान के लिए सभी पक्षों से सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार और प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं और किसी भी समस्या का समाधान संवाद के जरिए किया जाएगा।

दिल्ली में बारिश बनी मुसीबत : जलभराव और जाम से ऑफिस जाने वाले परेशान

नईदिल्ली,एंजेंसी। राजधानी दिल्ली में सोमवार सुबह हुई बारिश ने जहां एक ओर गर्मी से राहत दी, वहीं दूसरी ओर लोगों के लिए कई समस्याएं भी खड़ी कर दीं। कई इलाकों में जलभराव और भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई, जिससे लोगों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बारिश थमते ही दिल्ली की सड़कों पर भीड़ उमड़ पड़ी। गुरुग्राम से दिल्ली आने वाली सड़क पर धीरे-धीरे ट्रैफिक बढ़ने लगा है। वहीं, दिल्ली से गुरुग्राम की ओर जाने वाले रूट पर भी वाहनों की गति धीमी पड़ी हुई है। चूंकि सोमवार का दिन है और अधिकतर लोग ऑफिस के लिए निकलते हैं, इसलिए बारिश के रुकने के तुरंत बाद सड़कों पर जगह-जगह ट्रैफिक जाम की स्थिति देखी गई।

धौला कुआं से लेकर गुरुग्राम एयरपोर्ट जाने वाली सड़क पर कई किलोमीटर लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। महिपालपुर और दिल्ली कैंट की ओर से आने वाले लोग जाम में बुरी तरह फंसे नजर आए। संगम विहार इलाके की एमबी रोड पर जलभराव के कारण लंबा जाम लग गया। सोमवार सुबह करीब साढ़े 9 बजे की तस्वीरों में देखा जा सकता है कि सड़क पर काफी पानी भर चुका है और वाहनों की रफ्तार पूरी तरह थम चुकी है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस जाम के चलते उन्हें ऑफिस पहुंचने में काफी देर हो रही है। यह समस्या हर बारिश के बाद यहां आम हो गई है, लेकिन कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाया है। संगम विहार इलाके में कुछ लोगों ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, जलभराव के कारण बड़ी परेशानी हो रही है। रास्तों में काफी गड्ढे हैं, ठीक से सड़कें नहीं बनी हैं।

हालांकि दिल्ली में कुछ जगह कर्मचारियों को पंप के जरिए पानी निकासी करते हुए देखा गया। आईएएनएस से बात करते हुए एक कर्मचारी ने कहा, हम सुबह 5 बजे से लगे हुए हैं। हमने इस इलाके में जलभराव नहीं होने दिया। पहले यहां पानी ही पानी हो जाता था।

मौसम विभाग के मुताबिक, आने वाले कुछ दिनों तक दिल्ली-एनसीआर में इसी तरह की बारिश होती रहेगी। ऐसे में नागरिकों को सलाह दी गई है कि वो समय से पहले घर से निकलें और ट्रैफिक अपडेट्स पर नजर बनाए रखें।

केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता का निधन, सीएम योगी आदित्यनाथ ने जताया दुख

लखनऊ ,एंजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता और उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री आनंद सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सीएम योगी के आधिकारिक एक्स हैंडल से एक भावुक संदेश साझा किया गया है। इस पोस्ट में मुख्यमंत्री ने कहा, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता एवं उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ? शांति। समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने पूर्व सांसद आनंद सिंह के निधन पर एक्स पोस्ट में लिखा, यूपी सरकार के पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद गोंडा निवासी राजा आनंद सिंह जी का निधन अत्यंत दुःखद है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति हमारी गहरी संवेदनाएं हैं। भावभीनी श्रद्धांजलि। भाजपा विधायक नितिन अग्रवाल ने एक्स पोस्ट में लिखा, केंद्रीय राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह के पिता, उत्तर प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री व पूर्व सांसद आनंद सिंह का निधन अत्यंत दुःखद है। उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। प्रभु राम दिवंगत पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें तथा शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। कीर्तिवर्धन सिंह वर्तमान में गोंडा लोकसभा सीट से सांसद हैं और केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत हैं।

जनसेवा में समर्पित दो नारी शक्तियों का पूर्व दर्जा मंत्री बिट्टू कर्नाटक ने किया सम्मान

इंडिया वार्ता ब्यूरो

अल्मोड़ा । त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में महिलाओं का निर्विरोध चुना जाना पंचायतों की मजबूती के लिए बेहद आवश्यक है, यह बात पूर्व दर्जा मंत्री एवं भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने अपने कार्यालय में आयोजित सम्मान कार्यक्रम में कही। श्री कर्नाटक ने कहा कि पंचायत चुनावों में महिला उम्मीदवारों का लगातार निर्विरोध चुना जाना इस बात का प्रमाण है कि आज मातृशक्ति पंचायतों में अपनी बेहतर भूमिका का निर्वहन कर रही हैं और जनता को उन पर गहरा विश्वास है। श्री कर्नाटक द्वारा हवालबाग विकासखंड के शैल क्षेत्र पंचायत से हिमानी कुंडू के क्षेत्र पंचायत सदस्य व अधार मटेला से ग्राम प्रधान पद पर दिव्या पाटनी कांडपाल के निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने जाने पर उन्हें अंग वस्त्र भेंट कर उनका स्वागत अभिनंदन किया।। इस अवसर पर श्री कर्नाटक ने कहा कि जनसेवा के प्रति समर्पण और जनता के

अटूट विश्वास का प्रतीक बनकर, शैल क्षेत्र पंचायत से हिमानी कुंडू का क्षेत्र पंचायत सदस्य और अधार मटेला ग्रामसभा से दिव्या पाटनी कांडपाल निर्विरोध निर्वाचित होना इस बात का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि बिना विरोध चुना जाना सिर्फ एक औपचारिक जीत नहीं है बल्कि यह जनता के मन में बसे विश्वास और प्रेम की सच्ची मुहर होती है, हिमानी कुंडू और दिव्या पाटनी ने जिस संवेदनशीलता और ईमानदारी से समाज को अपनाया, आज समाज ने उन्हें उसी भाव से स्वीकारा है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से हिमानी कुंडू के पति भारत भूषण कुंडू (भानू) को भी श्री कर्नाटक ने विशेष रूप से बधाई देते हुए कहा कि इस युगल का पारिवारिक सहयोग और सामाजिक दृष्टिकोण क्षेत्र के विकास में नई ऊर्जा लेकर आएगा।

दिव्या पाटनी कांडपाल एवं उनके पति निवर्तमान प्रधान गौरव कांडपाल के लिए उन्होंने कहा कि इनके नेतृत्व में गांवों की ज़रूरतों और सपनों को दिशा देने का कार्य करेगा। श्री कर्नाटक ने कहा कि इन दोनों ने आज सिर्फ एक पद नहीं जीता, बल्कि गांव की विकास की उम्मीदों को जीवित करने का कार्य किया है, श्री कर्नाटक ने जोर देते हुए कहा कि जब नारी शक्ति आगे बढ़ती है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं, पूरा समाज प्रगति की ओर अग्रसर होता है। समर्पित प्रतिनिधि हमारी लोकतांत्रिक परंपरा की गरिमा को और ऊंचाई देने का कार्य करते हैं। इस सम्मान कार्यक्रम में अनेकों कार्यकर्ता जन उपस्थित थे।।

हिप रिप्लेसमेंट एक कामयाब ऑपरेशन: पद्मश्री डॉ. संजय

-हिप रिप्लेसमेंट 25 साल तक काम कर सकता

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तरांचल ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन की ओर से स्थानीय होटल हयात सेंट्रिक में हिप ट्रांसप्लांट पर आधारित एक संगोष्ठी आयोजित की गई। सगोष्ठी का उद्घाटन एसोसिएशन के संस्थापक अध्यक्ष, पद्मश्री डॉ. बी. के. एस. संजय, वर्तमान अध्यक्ष डॉ. एस. एन. सिंह एवं आयोजन सचिव डॉ. गौरव गुप्ता ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उत्तरांचल ऑर्थोपीडिक एसोसिएशन के इस अवसर पर, संस्थापक अध्यक्ष पद्मश्री, गिनीज रिकॉर्ड होल्डर प्रो. डॉ. बी. के. एस. संजय ने प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मेडिकल जर्नल द लांसेट का हवाला देते हुए कहा कि हिप रिप्लेसमेंट शताब्दी की सबसे सफल सर्जरी है। द लांसेट एक उच्च स्तर की अंतरराष्ट्रीय साप्ताहिक मेडिकल पत्रिका है, जो अपने शोधपत्रों के लिए कड़े मानक निर्धारित करती है।

डॉ. संजय ने कहा कि बोन सीमेंट के अविष्कार और सर जॉन चार्नली की लो-फ्रिक्शन आथ्रीप्लास्टी के विकास के बाद से टोटल हिप रिप्लेसमेंट आज की क्लिनिकल दुनिया में एक सामान्य और अत्यधिक प्रभावी सर्जरी बन गई है। हालांकि भारत में यह सर्जरी विकसित देशों की तुलना में उतनी आम नहीं है। जब भी किसी मरीज को हिप रिप्लेसमेंट की सलाह दी जाती है, तो उनका पहला और महत्वपूर्ण सवाल होता है "हिप रिप्लेसमेंट कितने साल चलेगा?" यह सवाल मरीज और सर्जन दोनों के लिए अहम होता है, क्योंकि यह दीर्घकालिक परिणामों और मरीज की संतुष्टि को प्रभावित करता है।

पद्मश्री डॉ. संजय ने कहा कि अब तक 15 से 25 वर्षों तक हिप रिप्लेसमेंट सफलतापूर्वक चलने का अनुभव हो चुका है। उन्होंने जानकारी दी कि एक उल्लेखनीय केस से यह भी ज्ञात हुआ कि मोल्ड हिप रिप्लेसमेंट 65 वर्षों तक चला। उन्होंने निष्कर्ष निकाला कि कुछ मामलों में हिप रिप्लेसमेंट आजीवन टिक सकता है और मरीज भारतीय समाज की सामान्य आवश्यकताओं जैसे पालथी लगाना और स्क्वाट करना भी कर सकते हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि अगर 1950 के दशक की मोल्ड आथ्रोप्लास्टी 65 साल तक चल सकती है, तो आज की आधुनिक टी.एच.आर. जीवनभर क्यों नहीं चल सकती? आजकल के इम्प्लांट मैटेरियल, डिजाइन और सर्जिकल तकनीकें काफी उन्नत हो चुकी हैं। राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर के अन्य विशेषज्ञ जैसे डॉ. एस. एस. मोहंती, डॉ. विजय कुमार, डॉ. बी. एस. मूर्ति, डॉ. मुदित खन्ना, डॉ. गौरव गुप्ता, डॉ. प्रवीण मित्तल और डॉ. हेमांशु कोचर सहित अन्य विशेषज्ञों ने भी हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार साझा किए।

अज्ञात शव की शिनाख्त

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। दिनांक 04/07/2025 को सेराघाट थाना धौलछीना जनपद अल्मोड़ा क्षेत्र के जैगन नदी में एक अज्ञात शव बरामद हुआ,शव शिनाख्त के लिये बरामदगी के पश्चात से 72 घंटे मोर्चरी में सुरक्षित रखा गया था। अज्ञात शव की शिनाख्त के लिये धौलछीना पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किये जा रहे थे और सोशल मीडिया व अन्य माध्यमों से भी प्रचार-प्रसार किया जा रहा था।सोशल मीडिया के माध्यम से परिजनों को सूचना मिलने पर उनके द्वारा थानाध्यक्ष धौलछीना श्री विजय नेगी से संपर्क किया गया। अज्ञात शव की परिजनों द्वारा तस्दीक की गई,जिसकी पहचान विरेन्द्र छिपाल उर्फ बबलू उम्र-37 वर्ष पुत्र जगदीश छिपाल निवासी-नाचनी पिथौरागढ़ के रुप में हुई।

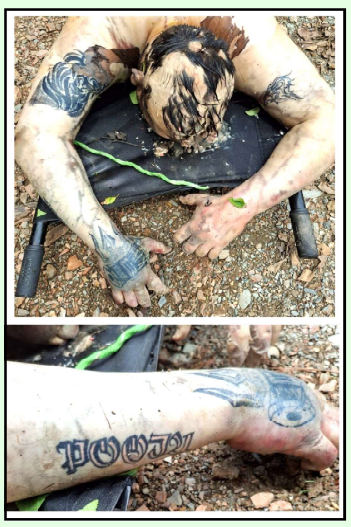

परिजनों द्वारा बताया गया कि विरेन्द्र दिनांक 01/07/2025 को काठगोदाम से दोपहर 1.30 बजे नाचनी के लिये स्कूटी से निकला था,समय 4 बजे सायं कैची पहुंचने के बाद से फोन बंद आ रहा था। पुलिस टीम द्वारा स्कूटी की तलाश के लिये सर्च अभियान चलाया गया । आज प्रात: स्थानीय लोगों को सेराघाट से लगभग 3 किमी0 अल्मोड़ा की ओर देवी मंदिर के पास गहरी खाई में स्कूटी झाड़ियों व पेड़ों में अटकी दिखाई दी ।जिसे परिजनों द्वारा तस्दीक किया गया। पोस्टमार्टम के पश्चात शव को परिजनों के सुपुर्द किया गया। उक्त प्रकरण के सभी बिन्दुओं पर पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

आपदा से 143 भवनों को नुकसान, दो राष्ट्रीय राजमार्ग व 50 सड़कें बंद

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । राज्य में आपदा से 143 भवनों को नुकसान हो चुका है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून के बाद से 133 मकानों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। आठ मकानों को गंभीर नुकसान पहुंचा और दो मकान पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए। इसके अलावा आपदा के कारण 21 लोगों की जान जा चुकी है और 11 घायल हुए। नौ लोग लापता है। प्रदेश में बारिश के बाद जगह-जगह मलबा आने से दो राष्ट्रीय राजमार्ग सहित 50 सड़कें बंद हो गई हैं। इससे स्थानीय लोगों के साथ ही चारधाम आने वाले तीर्थयात्रियों को खासी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक देहरादून जिले में लखवाड़ बैंड के पास किलोमीटर 26 में मलबा आने से विकासनगर-कालसी-बड़कोट राष्ट्रीय राजमार्ग में वाहनों की आवाजाही बंद है। जिले में तीन ग्रामीण सड़के भी बंद हैं। इसके अलावा उत्तरकाशी जिले में ऋषिकेश-यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग औजरी में बंद है। इस जिले में एक राज्यमार्ग और 11 ग्रामीण सड़के भी बंद हैं। रुद्रप्रयाग जिले में तीन ग्रामीण मार्ग, नैनीताल जिले में काठगोदाम-हैडाखान राज्यमार्ग, चमोली जिले में 13 ग्रामीण मार्ग, पिथौरागढ़ में सात, बागेश्वर में चार, पौड़ी में तीन और टिहरी जिले में दो ग्रामीण सड़के बंद हैं।

मंगल कलश स्थापना समारोह 9 जुलाई को

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । संस्कार प्रणेता एवं ज्ञान योगी आचार्य 108 सौरभ सागर जी महामुनिराज का 31वाँ पुष्प वर्षा योग इस वर्ष देहरादून दिगंबर जैन समाज को संपन्न कराने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। आचार्य श्री चार माह तक देहरादून में विराजमान रहेंगे तथा नगर के विभिन्न जैन मंदिरों में जाकर धर्मप्रचार एवं सत्संग के माध्यम से समाज को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। 9 जुलाई को मंगल कलश स्थापना समारोह जैन पंचायती मंदिर एवं जैन भवन में आयोजित किया जाएगा। यह समारोह प्रात: 8 बजे शुरू होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी होंगे। कार्यक्रम में विधायक विनोद चमोली, खजान दास भी शामिल होंगे।

सोमवार को यहां आयोजित पत्रकार वार्ता में पुष्प वर्षा योग समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि वर्षायोग की अवधि में कई विशिष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा, जिनमें प्रमुख रूप से भगवान पार्श्वनाथ निर्वाण कल्याणक, वात्सल्य पर्व (रक्षाबंधन), स्वतंत्रता दिवस, पर्युषण महापर्व, आचार्य श्री का दीक्षा दिवस, भगवान महावीर निर्वाण कल्याणक आदि शामिल हैं। गौरतलब है कि वर्ष 2019 में भी आचार्य श्री का 25वाँ रजत पुष्प वर्षा योग देहरादून में अत्यंत श्रद्धा और उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ था। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि मंगल कलश स्थापना समारोह 9 जुलाई को आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में विधानाचार्य संदीप जैन और संगीतकार रामकुमार एंड पार्टी प्रतिभाग करेगी। 10 जुलाई को गुरू पूर्णिमा महोत्सव और 11 जुलाई को वीर शासन जयंती मनाई जाएगी।

मस्ती-4 के लिए तुरंत हामी भरी, कॉमेडी में सही टाइमिंग के लिए लगातार मेहनत जारी : रूही सिंह

एक्ट्रेस रूही सिंह अपनी आने वाली फिल्म मस्ती 4 में लीड रोल में नजर आएंगी। उन्होंने बात करते हुए इस फिल्म के निर्देशक मिलाप जावेरी की जमकर तारीफ की है। उन्होंने कहा कि मिलाप जावेरी बेहतर तरीके से जानते हैं कि जनता को क्या पसंद आता है। साथ ही बताया कि वह दर्शकों को हंसाने के लिए कॉमेडी टाइमिंग को लेकर कड़ी मेहनत कर रही हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, वह शुरू से ही मस्ती फ्रेंचाइजी का हिस्सा रहे हैं। वह मस्ती की खासियत और आम लोगों को क्या पसंद आता है, ये अच्छी तरह समझते हैं। मैं उनके निर्देशन के लिए बहुत उत्साहित हूं। वह दर्शकों को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी पसंद के हिसाब से फिल्म बनाते हैं।

एक्ट्रेस ने कहा, जब मुझे मस्ती 4 का ऑफर मिला, तो मैंने उसके लिए तुरंत हामी भर ली। मस्ती एक बड़ी और प्रसिद्ध फिल्म सीरीज है जिसकी अपनी एक पहचान है, और उसका हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हुई। यह फिल्म एक शानदार कलाकारों की टीम, एक ऐसा निर्देशक जो फिल्म और दर्शकों को समझता है, और जिसमें मजाक-मस्ती मुख्य बात है, ये सब मिलकर फिल्म को बहुत मजेदार बनाते हैं। कुल मिलाकर, यह मेरे लिए एक बेहतरीन मौका है।

उन्होंने आगे कहा, मुझे याद है कि मैंने अपने दोस्तों के साथ ग्रैंड मस्ती देखी थी और हम बहुत जोर-जोर से हंसे थे।

कॉमेडी करना मुश्किल होता है। कॉमेडी में सही टाइमिंग पकड़ना उनके लिए कितना मुश्किल है? इस सवाल पर रुही ने कहा, मुझे खुद पर हंसने में कोई डर नहीं लगता। मैं अपनी निजी जिंदगी में मजाकिया और हंसमुख हूं। मैं जानती हूं कि कॉमेडी करना सबसे मुश्किल होता है, इसलिए मैं खुद पर काम कर रही हूं। मैं बहुत सारी कॉमेडी फिल्में देख रही हूं, खासकर राजपाल यादव और परेश रावल की फिल्में। साथ ही, मैं अपने एक्टिंग टीचर के साथ लगातार अभ्यास कर रही हूं ताकि कॉमेडी की सही टाइमिंग समझ सकूं।

बेहतरीन डील्स और सबसे तेज डिलीवरी के साथ इस अमेजन प्राइम डे का आनंद लें

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । अमेजन इंडिया अपने सबसे प्रतीक्षित शॉपिंग इवेंट द्र प्राइम डे 2025 के लिए पूरी तरह तैयार है, जो विशेष रूप से प्राइम मेंबर्स के लिए आयोजित किया जा रहा है। 12 जुलाई की मध्यरात्रि 12 बजे से लेकर 14 जुलाई की रात 11.59 बजे तक, 72 घंटों की नॉन-स्टॉप शॉपिंग के लिए तैयार हो जाइए, जहां मिलेगा सबसे बड़ा कलेक्शन, सबसे तेज डिलीवरी, बेमिसाल डील्स और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट। चाहे आप अपने गैजेट्स अपग्रेड करना चाहते हों, वॉर्डरोब को रिफ्रेश करना हो या घर को नया लुक देना हो, प्राइम डे में स्मार्टफोन, इलेक्ट्रॉनिक्स, टीवी, अप्लायंसेज, अमेजन डिवाइसेज, फैशन, ब्यूटी, होम व किचन, फर्नीचर, किराना, रोजमर्रा की जरूरतें और बहुत कुछ शानदार छूट के साथ मिलेगा।

प्राइम, डिलिवरीज और रिटर्न्स, इंडिया और इमर्जिंग मार्केट्स के डायरेक्टर अक्षय साही ने कहा, ष्प्राइम डे हमारे ग्राहकों के लिए एक उत्सव है, और इस साल हम इसे अब तक से भी बड़े स्तर पर मना रहे हैं, 72 घंटों की शॉपिंग, बेहतरीन बचत और ब्लॉकबस्टर एंटरटेनमेंट के साथ। हजारों डील्स के साथ, प्राइम डे देशभर के प्राइम सदस्यों के लिए अमेजन का सबसे अच्छा अनुभव लाएगा। कंपनी ने हाल ही में भारत में 2000 करोड़ रुपयों का निवेश भी किया है। अमेजन इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के उपाध्यक्ष ऑपरेशंस अभिनव सिंह का कि आज हमने देश के टियर-2 और टियर-3 शहरों, जैसे नागपुर, पंचकूला, हुबली, मोहाली, हावड़ा और इंदौर सहित 30 से अधिक नए डिलीवरी स्टेशनों की शुरुआत की घोषणा की है।

मेयर शंभू पासवान के समर्थन में उतरे शांतिनगर के लोग

ऋषिकेश(इंडिया वार्ता ब्यूरो)। शांतिनगर में सड़क निर्माण कार्य रोकने से क्षेत्रवासी खफा हैं। विभिन्न वार्डों के पार्षदों के साथ क्षेत्रवासी मेयर के समर्थन में उतर गए हैं। सोमवार को नगर निगम पहुंचकर उन्होंने मेयर शंभू पासवान के पक्ष में नारेबाजी की। क्षेत्रवासियों ने सड़क निर्माण कार्य रोकने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। चेताया कि विकास कार्य रोकने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। बीती शनिवार परशुराम चौक के पास खोदी गई सड़क को लेकर कुछ लोगों का मेयर शंभू पासवान से विवाद हो गया था। इस दौरान मेयर के साथ अभद्रता करने का भी आरोप लगा। घटना से नाराज लोग विभिन्न वार्डों के पार्षदों के साथ सोमवार को नगर निगम पहुंचे। जहां उन्होंने मेयर शंभू पासवान के समर्थन में नारेबाजी की। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज ध्यानी ने कहा कि शांतिनगर क्षेत्र में जलभराव की समस्या का स्थायी समाधान हो रहा है। इसके लिए सड़क खोदकर उसका लेवल नीचे करने के साथ ढलान दी जा रही है, लेकिन कुछ लोग विकास कार्य में बाधा डाल रहे हैं। जिसके समर्थन में विभिन्न वार्डों के पार्षद बड़ी संख्या में क्षेत्रवासियों को लेकर मेयर को समर्थन देने पहुंचे है।

पूर्व पार्षद बृजपाल राणा ने कहा कि सड़क निर्माण कार्य रोकने से लोगों को आवाजाही में दिक्कत आ रही है। इसलिये विकास कार्यों का विरोध करना उचित नहीं है। भाजपा नेता एकांत गोयल ने कहा कि जनभावनाओं के अनुरूप ही सड़क निर्माण कार्य हो रहा है। शांतिनगर क्षेत्र में कुछ लोगों के अतिक्रमण करने से जलभराव की समस्या बनी है। नाले के मूलस्वरूप को बंद कर अतिक्रमण कर दिया गया है। मूल नाला बंद होने से बरसाती पानी सड़क पर जमा हो रहा है। उन्होंने जल्द निर्माण कार्य पूर्ण करने की मांग की। इस दौरान पार्षद पायल बिष्ट, संध्या बिष्ट, सुनीता भारद्वाज, रेहा ध्यानी, किशन मंडल, दीपक बिष्ट, प्यारेलाल जुगरान, अरुण बडोनी, शिवकुमार गौतम, राजू शर्मा, सोनू पाण्डेय, नितिन सक्सेना, कविता शाह, रुचि जैन, ललन राजभर, जितेन्द्रपाल पाठी, हरपाल सिंह, सरेन्द्र मौर्य, सुभाष सैनी, सत्यवीर तोमर, प्रवीणसिंह, नीरज सहरावत, विपिन चौहान, मनोज शाण्डिल्य, रमेश अरोड़ा, नंद किशोर जाटव, रामरतन शर्मा, शैलेन्द्र सिंह, विकास तेवतिया, रीता गुप्ता, बचनी देवी, उर्मिला देवी, संदीप कुमार, पूनम, ज्योति,सरला राणा, संदीप शास्त्री, विशाल कक्कड़, संजय गुप्ता, सुरेन्द्र सिंह आदि शामिल थे।

ये है पूरा मामला: नगर निगम प्रशासन सोमेश्वर मंदिर मार्ग का नवीनीकरण कर रहा है। इसमें बरसाती पानी के जमाव की समस्या के समाधान के लिए परशुराम चौक के नजदीक करीब 60 मीटर सड़क के पैच को खोदा गया है। यह खुदाई सड़क पर ढलान बनाने के लिए की जा रही है, जिससे बरसाती पानी की त्वरित निकासी संभव हो सके। बीती शनिवार को कुछ लोगों ने सड़क निर्माण को लेकर नाराजगी जता मेयर का घेराव कर दिया। जिससे क्षेत्रवासी नाराज हो गये और सोमवार को सड़क निर्माण तेज गति से करने को लेकर समर्थन देने निगम पहुंचे।

अवीवा लाइफ इंश्योरेंस ने प्रोडक्ट ऑफ द ईयर पुरस्कार जीता

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । भारत में निजी क्षेत्र की अग्रणी लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों में शुमार अवीवा लाइफ इंश्योरेंस ने दो श्रेणियोंरू लाइफ इंश्योरेंस द्र रिटायरमेंट इनकम और लाइफ इंश्योरेंस द्र यूलिप में प्रोडक्ट ऑफ द ईयर 2025 का प्रतिष्ठित पुरस्कार जीता है। भारत में प्रोडक्ट ऑफ द ईयर के 17वें संस्करण के लिए नीलसनआईक्यू की तरफ से देशभर में किए गए उपभोक्ता सर्वेक्षण से मिले निष्कर्षों के आधार पर यह सम्मान दिया गया है। यह पुरस्कार अवीवा सिग्नेचर इनक्रीजिंग इनकम प्लान और अवीवा सिग्नेचर इन्वेस्टमेंट प्लान को पुरस्कार मिला है। ग्राहकों ने इन दोनों प्रोडक्ट्स को अपनी श्रेणियों में सबसे इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के रूप में चुना। यह पुरस्कार ग्राहकों को केंद्र में रखने, सरलता एवं आज की वित्तीय जरूरतों के हिसाब से प्रासंगिक प्रोडक्ट्स डिजाइन करने पर अवीवा इंडिया के मजबूत फोकस को दिखाता है। इस जीत पर अवीवा इंडिया के सीईओ एवं एमडी असित रथ ने कहा, 'लाइफ इंश्योरेंस की दो प्रमुख श्रेणियोंरू रिटायरमेंट इनकम एवं यूलिप में प्रोडक्ट ऑफ द ईयर 2025 जीतना हमारे लिए सम्मान की बात है।

जादुंग मास्टर प्लान में पहाड़ी शैली का रखा जाए ख्याल : गर्ब्याल

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । उत्तरकाशी के सीमांत वाइब्रेंट विलेज जादुंग में पर्यटन गतिविधियों को विकसित करने से जुड़ी योजनाओं की सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल ने सोमवार को समीक्षा की। सचिवालय में हुई समीक्षा बैठक में सचिव पर्यटन ने जादुंग मास्टर प्लान से जुड़े सभी कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। निर्देश दिए कि क्षेत्र की पारंपरिक पहाड़ी शैली को संरक्षित रखते हुए वुडन साइन बोर्ड का प्रयोग किया जाए। ताकि पर्यावरण एवं स्थानीय संस्कृति की मूल भावना बनी रहे। सचिव पर्यटन धीराज सिंह गर्ब्याल ने बैठक में कहा कि जादुंग मास्टर प्लान का उद्देश्य वर्ष 1962 के भारत चीन युद्ध के बाद खाली पड़े जादुंग क्षेत्र को दोबारा आबाद करना है। इसके लिए वहां पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा दिया जाना है। जादुंग मास्टर प्लान से जुड़े कामों की जानकारी लेते हुए सचिव पर्यटन ने कहा कि भैरों घाटी परियोजना से जुड़े सभी काम समय पर पूरे किए जाएं। जरूरी औपचारिकताओं को समय पर पूरा किया जाए। कैरावन पार्क, जादुंग फेस्टिव ग्राउंड और सीवरेज ट्रीटमेन्ट प्लांट का भी जल्द से जल्द खाका तैयार कर धरातल पर उतारा जाए।

देहरादून में राइफल क्लब फंड बना असहायों का सहारा : 6 जरूरतमंदों को मिली आर्थिक मदद

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड में पहली बार, राइफल क्लब फंड का सदुपयोग समाज के असहाय और निर्धन वर्ग के उत्थान के लिए किया जा रहा है।

देहरादून इस अभिनव पहल को शुरू करने वाला राज्य का पहला जिला बन गया है। आज जिलाधिकारी सविन बंसल की प्रेरणा से 6 असहाय और जरूरतमंद लोगों को कुल 1.50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की गई, जिसमें प्रत्येक को 25-25 हजार रुपये के चेक वितरित किए गए। यह सहायता उन लोगों को मिली है जो अपनी मूलभूत आवश्यकताओं को पूरा करने में भी सक्षम नहीं हैं। इनमें पूनम ठाकुर, बिरोजनी उनियाल, आशा देवी, खष्टी बिष्ट, बबीता और रेशमी शामिल हैं, जिनके पतियों का हाल ही में एक्सीडेंट हुआ है। जिलाधिकारी बंसल के प्रयासों से 20 साल बाद जिले में राइफल फंड का उपयोग निर्धन और असहाय लोगों के लिए गतिमान हुआ है। अब तक इस फंड से कुल 9.70 लाख रुपये की आर्थिक सहायता जरूरतमंदों को दी जा चुकी है।

राइफल क्लब फंड का अनूठा सदुपयोग

जिलाधिकारी सविन बंसल जनपद में असहाय, अक्षम और निर्धन लोगों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनका मानना है कि जहां शस्त्र लाइसेंस एक "लग्जरी ट्रांजेक्शन" है, वहीं इससे प्राप्त रायफल क्लब फंड का उपयोग जनहित में, विशेषकर सीएसआर (कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी) गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए किया जाना चाहिए। इसी सोच के साथ उन्होंने राइफल क्लब फंड का उपयोग समाज के वंचित वर्ग की सहायता के लिए किया है।

आज जिन लाभार्थियों को सहायता मिली, उनमें गुलरघाटी निवासी पूनम ठाकुर और डालवाला निवासी बिरोजनी उनियाल शामिल हैं, जिन्हें बच्चों की स्कूल फीस के लिए 25-25 हजार रुपये मिले। 12 वर्षों से किराए के मकान में रह रहीं लकवाग्रस्त आशा देवी को भी 25,000 रुपये की सहायता मिली, जिन्हें जिलाधिकारी ने स्वयं %सारथी% वाहन से घर तक पहुंचाया। इसके अतिरिक्त, नेहरू कॉलोनी निवासी खष्टी बिष्ट, विकासनगर निवासी रेशमी (जिनके पति का पैर दुर्घटना में टूट गया है) और गांधी ग्राम निवासी बबीता (जो अचार बनाने का व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं) को भी 25-25 हजार रुपये की आर्थिक मदद प्रदान की गई।

निवेश के रूप में उपयोग की अपील

जिलाधिकारी बंसल ने लाभार्थियों से अपील की कि वे इस आर्थिक सहायता को केवल उपभोग न करें, बल्कि इसे निवेश के रूप में उपयोग कर अपने जीवन को खुशहाल बनाएं।

उन्होंने उन्हें स्वरोजगार और व्यवसाय में इस राशि का उपयोग करने की सलाह दी।

यह भी उल्लेखनीय है कि जिलाधिकारी सविन बंसल के प्रयासों से ही 2015 के बाद, 10 साल के लंबे अंतराल के बाद राइफल क्लब की बैठक हुई थी।

इस बैठक में समिति द्वारा विभिन्न कार्यों हेतु राइफल क्लब अनुदान राशि में वृद्धि करने का निर्णय लिया गया, जिससे यह फंड और अधिक सशक्त बन सके। नए लाइसेंस, शस्त्र बदलाव, समय विस्तार, सीमा विस्तार और क्रय-विक्रय जैसे ट्रांजेक्शन पर उच्च निवल मूल्य तय कर दिए गए हैं, जिससे राइफल क्लब वित्तीय रूप से और मजबूत होगा।

पहले भी मिली है सहायता

यह पहला अवसर नहीं है जब इस फंड का उपयोग जनहित में किया गया है। इससे पहले भी इस फंड से झुग्गी बस्ती प्रेम नगर में बालवाड़ी मरम्मत हेतु दिव्यांग महिला को 1,30,000 रुपये, ग्राम फनार निवासी विधवा महिला नीतू दुर्गादेवी के बिजली बिल के लिए 18,000 रुपये, अनाथ अदिति के पिता द्वारा लिए गए बैंक ऋण के लिए 50,000 रुपये, भगत सिंह कॉलोनी निवासी शमीमा को स्वरोजगार हेतु 30,000 रुपये और सरस्वती शिशु मंदिर, भोगपुर को बच्चों के परिवहन हेतु वाहन के लिए 5,73,950 रुपये की सहायता प्रदान की गई है। जिलाधिकारी बंसल ने समाज में असहाय लोगों को चिन्हित करने में ग्रांउट स्टाफ और इसमें काम कर रहे अधिकारियों की सराहना की। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी कुमकुम जोशी और मुख्य प्रशासनिक अधिकारी कपिल कुमार भी उपस्थित रहे।

उपनल कार्यालय का मंत्री जोशी ने किया औचक निरीक्षण, दिए पारदर्शिता और दक्षता के निर्देश

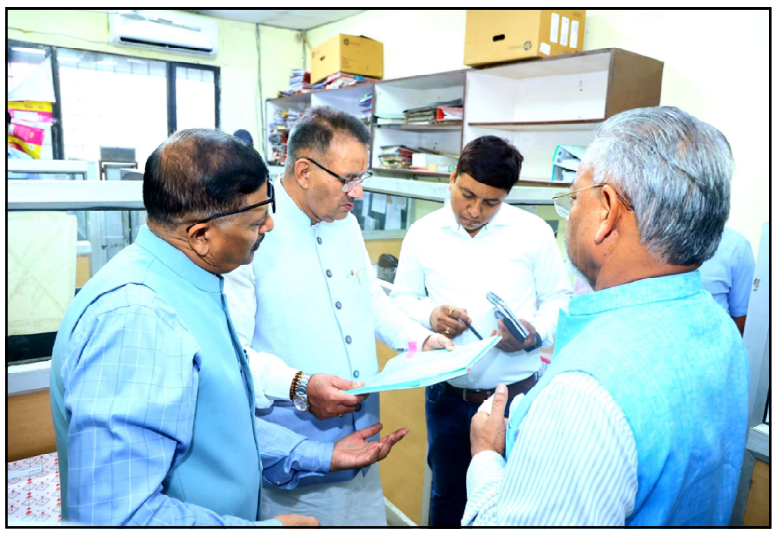

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड के सैनिक कल्याण मंत्री गणेश जोशी ने आज उपनल (उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम लिमिटेड) के मुख्य कार्यालय का औचक निरीक्षण कर पूर्व सैनिकों के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। उन्होंने कार्यालय में उपस्थिति पंजिका, फाइल प्रबंधन प्रणाली, शिकायत निवारण प्रक्रिया और सेवा प्रदाय की कार्यप्रणाली का गहन अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री जोशी ने अधिकारियों से उपनल द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि कार्यालय में आने वाले प्रत्येक व्यक्ति, विशेषकर पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों को, सम्मानपूर्वक और समयबद्ध तरीके से सेवाएं मिलनी चाहिए।

मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि उपनल का मूल उद्देश्य पूर्व सैनिकों और उनके आश्रितों को रोजगार से जोड़ना है, जिसे पूरी निष्ठा और पारदर्शिता के साथ क्रियान्वित किया जाना चाहिए।

मंत्री जोशी ने कुछ महत्वपूर्ण अभिलेखों और फाइलों की भी जांच की और अधिकारियों को अनावश्यक देरी से बचने तथा प्रक्रियाओं को सरल एवं प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उपनल की भूमिका पूर्व सैनिकों के पुनर्वास में अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संस्था को पूरी संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्य करना चाहिए।

अपने दौरे के दौरान, मंत्री जोशी ने उपनल कार्यालय के पास स्थित हैंडलूम स्टोर का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वीर नारियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की। इस अवसर पर उपनल के प्रबंध निदेशक, ब्रिगेडियर (सेवानिवृत्त) जे.एन.एस. बिष्ट सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मंत्री के इस औचक निरीक्षण को उपनल की कार्यप्रणाली में सुधार लाने और पूर्व सैनिकों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री धामी की पहल..

राज्य को सीड हब के रूप में विकसित करने के लिए 5 करोड़ की योजना भी तैयार है। सेब उत्पादन को प्रोत्साहन देने, भंडारण और विपणन तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए 1,150 करोड़ की एक महत्वाकांक्षी योजना प्रस्तावित है। नकदी फसलों जैसे कीवी के संवर्धन और उन्हें वन्यजीवों से संरक्षित करने हेतु ?894 करोड़ की आवश्यकता दर्शाई गई है। कृषि और बागवानी क्षेत्र में नवाचार और स्टार्टअप्स को बढ़ावा देने के लिए ?885.10 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। साथ ही, ड्रैगन फ्रूट जैसी कम जोखिम वाली फसलों को प्रोत्साहित करने हेतु 42 करोड़ की योजना भी तैयार की गई है।

खाद्य प्रसंस्करण, भूमि अभिलेख और शिक्षा में भी मिलेंगे नए आयाम

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को अवगत कराया कि खाद्य प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में भी राज्य सरकार सक्रियता से कार्य कर रही है। जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु विश्लेषण प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए ?36.50 करोड़ का प्रावधान किया गया है। भूमि अभिलेखों के आधुनिकीकरण और डिजिटल सर्वेक्षण के लिए 378.50 करोड़ की योजना प्रस्तावित की गई है। इसके अतिरिक्त, पंतनगर विश्वविद्यालय के माध्यम से युवाओं को कृषि क्षेत्र में दक्ष बनाने हेतु 14 करोड़ और एग्रीटूरिज्म स्कूल की स्थापना हेतु 14 करोड़ की योजना तैयार की गई है। उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, भरसार में माइक्रोबायोलॉजी प्रयोगशाला की स्थापना के लिए 16.11 करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने उच्च गुणवत्ता की नर्सरी, कोल्ड स्टोरेज, सॉर्टिंग व ग्रेडिंग यूनिट की स्थापना, कीवी व ड्रैगन फ्रूट मिशन को बढ़ावा देने, सुपर फूड्स (मशरूम व एरोमैटिक वेजिटेबल्स) हेतु सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना तथा पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में एग्रो टूरिज्म स्कूल की स्थापना के लिए भी केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया।

पीएमजीएसवाई के तहत भी मिली बड़ी राहत

मुख्यमंत्री के अनुरोध पर, केंद्रीय कृषि मंत्री ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) 1 व 2 के अवशेष कार्यों की समय सीमा बढ़ाने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। इसके साथ ही, पीएमजीएसवाई 4 के प्रस्ताव पर भी सैद्धांतिक सहमति प्रदान करने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने उत्तराखंड सरकार द्वारा कृषि एवं ग्रामीण विकास के विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री द्वारा प्रस्तुत प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया देते हुए आश्वस्त किया कि उत्तराखंड की कृषि आवश्यकताओं को प्राथमिकता के आधार पर संज्ञान में लिया जाएगा और राज्य के किसानों की समृद्धि हेतु हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

शिक्षा मंत्री ने किये 486 लाख के निर्माण कार्यों का शिलान्यास

एससीईआरटी देहरादून परिसर में बनेंगे आवासीय भवन

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । सूबे के विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ0 धन सिंह रावत ने आज शिक्षा निदेशालय में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर उन्होंने उन्होंने समग्र शिक्षा के अन्तर्गत स्वीकृत धनराशि से एस0सी0ई0आर0टी0 में आवासीय भवनों के निर्माण कार्यों के अन्तर्गत टाईप-3 के 03 आवास, टाईप-2 के 02 तथा टाईप-05 का 01 आवास का भूमि पूजन कर विधिवत शिलान्यास किया। इस हेतु भारत सरकार द्वारा 473.62 लाख की धनराशि स्वीकृत की गई है। यह निर्माण कार्य कार्यदायी संस्था उत्तराखण्ड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, देहरादून के माध्यम से किया जा रहा है।

इसके अलावा डॉ रावत ने प्रादेशिक शिक्षा संकुल परिसर ननूरखेड़ा के मुख्य प्रवेश द्वार निर्माण कार्य का भी शिलान्यास किया, जिसकी कुल लागत रू0 12.77 लाख है। इस अवसर पर डॉ रावत ने कहा कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत नवीन निर्माण तथा विद्यालय सुदृढीकरण के लिए निम्नानुसार स्वीकृतियां प्रदान की गयी हैं - जिसमें वर्ष 2024-25 में समग्र शिक्षा के अन्तर्गत प्रारम्भिक स्तर एवं माध्यमिक स्तर के विद्यालयों हेतु 868 निर्माण कार्योंहेतु रु0 109.02 लाख की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है। 07 नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास एवं 02 के0जी0बी0वी0 छात्रावास भवन निर्माण हेतु धनराशि रु0 3120.00 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है एवं वर्तमान में सभी कार्य प्रगतिरत् है।

भारत सरकार द्वारा वर्ष 2024-25 में डायट् ऑफ एक्सीलेन्स के अन्तर्गत 05 डायटों क्रमशः जनपद देहरादून, पौड़ी, हरिद्वार, नैनीताल एवं ऊधमसिंहनगर का चयन किया गया, जिस हेतु उक्त डायटो के निर्माण कार्य के लिए धनराशि रु0 3017.03 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई है, जिसके सापेक्ष सभी कार्य प्रगतिरत् हैं तथा वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत भी 03 डायट- जनपद अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ एवं चमोली में निर्माण कार्यों हेतु धनराशि रू0 3200.00 लाख स्वीकृत किए गए हैं।

पी0एम0 जनमन के अन्तर्गत राज्य के बोक्सा एवं राजी जनजाति क्षेत्रों में अध्ययनरत छात्र छात्राओं हेतु 03 छात्रावास भवनों क्रमशः जनपद देहरादून, पौड़ी एवं ऊधमसिंहनगर के निर्माण हेतु धनराशि रु0 735.00 लाख की स्वीकृति प्राप्त हुई, जिसके सापेक्ष सभी कार्य प्रगतिरत् है।

धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान के अन्तर्गत भी राज्य के जनजाति क्षेत्रों हेतु 03 छात्रावासों क्रमशः जनपद चमोली, देहरादून एवं ऊधमसिंहनगर के निर्माण हेतु धनराशि रु0 1055.00 लाख की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा प्राप्त हुई है।

वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत माध्यमिक स्तर के विद्यालयों हेतु 239 निर्माण कार्योंके लिए धनराशि रु0 3908.02 लाख तथा प्रारम्भिक स्तर के निर्माण कार्योंहेतु 301 निर्माण कार्योंके लिए रु0 3532.00 लाख की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा प्रदान की गयी है।

उक्त के अतिरिक्त नेताजी सुभाष चन्द्र बोस आवासीय छात्रावास लालढांग के लिये रू0 08 करोड़ तथा के0जी0बी0वी0 कालसी के उच्चीकरण के फलस्वरूप 50 छात्राओं के लिये धनराशि रू0 03 करोड़ 50 लाख छात्रावास भवन निर्माण कार्य एवं छात्रावासों में अतिरिक्त निर्माण कार्यों के लिए धनराशि रु0 1167.69 लाख की स्वीकृति भी भारत सरकार द्वारा प्रदान की गई है।

डॉ रावत ने कहा कि स्ष्टश्वक्रञ्ज न केवल हमारे शिक्षकों के प्रशिक्षण का केंद्र है, बल्कि यह वह संस्था है जहाँ से नीतियाँ बनती हैं, पाठ्यक्रम गढ़े जाते हैं और गुणवत्ता युक्त शिक्षा की दिशा में मार्गदर्शन प्राप्त होता है। आवासीय भवन निर्मित होने से अधिकारी एवं कर्मचारियों को एक सुरक्षित एवं व्यवस्थित स्थान उपलब्ध हो सकेगा साथ ही कार्यक्षमता बढेगी।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालयी शिक्षा मंत्री एवं विधायक रायपुर द्वारा एससीईआरटी परिसर में 'एक पेड़ मां के नाम' के अन्तर्गत वृक्षारोपण भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन भगवती प्रसाद मैन्दोली, स्टाफ आफिसर द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में बन्दना गर्ब्याल, निदेशक, अकादमिक शोध एवं प्रशिक्षण, डॉ0 मुकुल कुमार सती, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा उत्तराखण्ड, अजय कुमार नौड़ियाल, निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा उत्तराखण्ड, डॉ0 आनन्द भारद्वाज, निदेशक, संस्कृत शिक्षा उत्तराखण्ड, राकेश चन्द्र तिवाड़ी, परियोजना प्रबन्धक- पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, कुलदीप गैरोला, अपर राज्य परियोजना निदेशक, समग्र शिक्षा उत्तराखण्ड, पदमेन्द्र सकलानी, अपर निदेशक, एससीईआरटी, मुकेश मोहन, कन्सल्टेंट, निर्माण कार्य, अजय शर्मा, सहायक अभियंता-समग्र शिक्षा, मोहित जैन, सहायक अभियन्ता- पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, सीपी ध्यानी, अवर अभियंता- पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम, सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे।

टिहरी में भाजपा को झटका, वरिष्ठ नेता महिपाल सिंह राणा ने थामा कांग्रेस का हाथ

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून । उत्तराखंड में आगामी पंचायत चुनावों से पहले दलबदल का दौर जारी है। इसी कड़ी में टिहरी जिले की धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा झटका लगा है। जिले के कद्दावर भाजपा नेता महिपाल सिंह राणा ने पार्टी से त्यागपत्र देकर कांग्रेस का दामन थाम लिया है।

आज देहरादून में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन) सूर्यकांत धस्माना ने अपने कैंप कार्यालय में महिपाल सिंह राणा को कांग्रेस का पटका पहनाकर विधिवत रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई।

कांग्रेस प्रत्याशी को समर्थन

इस अवसर पर महिपाल सिंह राणा ने घोषणा की कि उन्होंने जिला पंचायत चुनावों के लिए धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र के सरतली जिला पंचायत वार्ड 14 से अपना नाम वापस ले लिया है और अब वे कांग्रेस के समर्थित उम्मीदवार जोत सिंह रावत को अपना पूरा समर्थन देंगे।

भाजपा पर साधा निशाना

भाजपा छोड़ने के अपने फैसले पर बोलते हुए महिपाल सिंह राणा ने कहा, 卐आज भाजपा में केवल धन बल के आधार पर पंचायत से लेकर लोकसभा तक के टिकट मिल रहे हैं। ऐसे में ईमानदार कार्यकर्ताओं के लिए अब भाजपा में कोई काम नहीं रह गया है।卐 उन्होंने आगे कहा कि वे अब पूरी ताकत से कांग्रेस को जिताने के लिए कार्य करेंगे।

कांग्रेस को मिल रहा अभूतपूर्व समर्थन : धस्माना

इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन) सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि पूरे प्रदेश में पंचायत चुनावों में कांग्रेस पार्टी को अभूतपूर्व समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पार्टी त्रि-स्तरीय पंचायत चुनावों में पूरे प्रदेश में जबरदस्त प्रदर्शन करने जा रही है। इस अवसर पर विधानसभा प्रभारी विजय गुसाईं, अमरेन्द्र सिंह बिष्ट, दर्शन नौटियाल, जोत सिंह रावत और संदीप सज्वाण भी उपस्थित थे। महिपाल सिंह राणा का कांग्रेस में शामिल होना टिहरी और विशेष रूप से धनोल्टी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा के लि

पर्यटन को बढ़ावा देने को हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के सीएम ने दिए निर्देश

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो । मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास में उच्चस्तरीय बैठक के दौरान अधिकारियों को पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हाई अल्टीट्यूड अल्ट्रा मैराथन की शुरुआत करने के निर्देश दिए।

कुमाऊं क्षेत्र में यह मैराथन गुंजी से आदि कैलाश और गढ़वाल में नीति माणा से लेकर मलारी तक आयोजित की जाए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि इस आयोजन को वार्षिक पर्यटन कैलेंडर में शामिल किया जाए और हर वर्ष निर्धारित तिथि पर इसका नियमित आयोजन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आपदा प्रबंधन तंत्र को अधिक सशक्त बनाने के साथ ही तय समय पर प्रभावितों को सहायता राशि उपलब्ध कराने के भी निर्देश दिए। सीमांत एवं पर्वतीय क्षेत्रों में फसलों की सुरक्षा के लिए घेरबाड़, सोलर फेंसिंग के संबंध में विस्तृत योजना बनाने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव आर. के सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव शैलेश बगोली और अपर सचिव बंशीधर तिवारी उपस्थित थे।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक
दैनिक इंडिया वार्ता
कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।
दूरभाषः 7500581414,9359555222